ॐ नमश्चण्डिकायै

ॐ, देवी चण्डिका को नमन

नवरात्रि के सम्मान में श्री मुक्तानन्द आश्रम में अर्पित की गई पूजा

रविवार, २९ सितम्बर से सोमवार, ७ अक्टूबर, २०१९

भारत में वर्षा ऋतु की समाप्ति पर, जब फ़सल कटने का समय आता है तब गाँवों में हरे-भरे, लहलहाते धान के क्षेत्र प्रचुरता बिखेरते नज़र आते हैं। और इसी तरह लोगों के हृदय क्षेत्र भी उल्लास से भर जाते हैं। लोग स्वयं को धरती माँ के प्रति, महाभगवती के प्रति और उनके उन विभिन्न स्वरूपों के प्रति कृतज्ञता अर्पित करने से रोक नहीं पाते हैं, जिन स्वरूपों में वे स्वयं को प्रकट करती हैं। इसीलिए देशभर से लोग एक साथ मिलकर, अलग-अलग तरीक़ों द्वारा देवी की आराधना करते हुए नवरात्रि का उत्सव मनाते हैं, जैसे पूजा में भाग लेते हैं, स्तुतियाँ गाते हैं, कथाएँ सुनते हैं, उपवास करते हैं, स्वादिष्ट पकवान बनाते हैं और दूसरों में बाँटते हैं तथा प्रफुल्लतापूर्ण गरबा नृत्य करते हैं। यह महोत्सव नौ दिन चलता है और दसवें दिन, दशहरे का उत्सव मनाकर सम्पन्न होता है जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है। विजयादशमी का दिन भारतीय पंचांग के अनुसार वर्ष के सर्वाधिक मंगलमय साढ़े तीन दिनों में से एक है।

सिद्धयोग पथ पर जब हम नवरात्रि का उत्सव मनाते हैं तब हम देवी का कुण्डलिनी शक्ति के रूप में सम्मान कर रहे होते हैं। कुण्डलिनी शक्ति वह आध्यात्मिक शक्ति है जिसे, श्रीगुरु हमारे अन्दर अपनी कृपा द्वारा, हमें शक्तिपात दीक्षा प्रदान कर जाग्रत करते हैं।

इस वर्ष नवरात्रि के उत्सव के लिए, एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन के प्रबन्धन ने भारत के वज्रेश्वरी गाँव से ब्राह्मण पुजारी, श्री सन्तोष मुद्‌गल को नौ दिन की इस पूजा के लिए आमन्त्रित किया है।

दो पीढ़ियों से सन्तोष भाऊ के परिवार के पुजारी — पहले उनके पिता और अब सन्तोष भाऊ स्वयं भारत में गणेशपुरी स्थित सिद्धयोग आश्रम, गुरुदेव सिद्धपीठ में कई पूजाएँ और हवन कराते आए हैं।

इस फ़ोटो-गैलरी का शीर्षक ‘ॐ नमश्चण्डिकायै’ वह मन्त्र है जो देवी के आशीर्वादों का आवाहन करता है। बाबा मुक्तानन्द को वे स्तोत्र पाठ करने बहुत प्रिय थे जो देवी की महानता का गुणगान करते हैं। श्री देवीस्तोत्रम् में आप बाबा जी को ये देवी-स्तोत्र गाते हुए सुन सकते हैं जिसमें उत्साह व शक्ति से परिपूर्ण यह आवाहन, ‘ॐ नमश्चण्डिकायै’ सम्मिलित है। यह रिकार्डिंग सिद्धयोग बुकस्टोर में उपलब्ध है।

‘ॐ नमश्चण्डिकायै’ गैलरी में श्री मुक्तानन्द आश्रम के नवरात्रि महोत्सव को दर्शाया गया है। इनमें सन्तोष भाऊ द्वारा देवी के तीन मुख्य स्वरूप : महादुर्गा, महालक्ष्मी और महासरस्वती की पूजा भी सम्मिलित है, जिनका हम इस पर्व पर सम्मान करते हैं।

गैलरी में पूजा की कुछ छवियाँ यजमान की भी हैं। यजमान, पारम्परिक रूप से वे वैवाहिक दम्पत्ति होते हैं जो शास्त्रोक्त विधि के अनुसार, पूजा में भाग ले रहे सभी लोगों की ओर से अनुष्ठान करते हैं।

जब आप श्री मुक्तानन्द आश्रम में आयोजित नवरात्रि पूजन की इन तस्वीरों को देख रहे हों तो आप पूजा के संकल्प के प्रति जागरूकता बनाए रख सकते हैं। या हो सकता है आप यज्ञ-वेदी या नवरात्रि पूजा अर्पित करने के प्रतीकात्मक महत्व के विषय में पढ़ना चाहें और देवी माँ का गुणगान करने वाले ध्यान-मन्त्रों की रिकॉर्डिंग को सुनना चाहें।

© २०१९ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।